आओ बनाएँ खिचड़ी

एक था कौआ और एक थी चिड़िया। वे दोनों पीपल के एक पेड़ पर रहते थे।

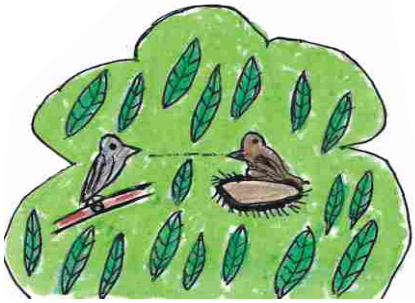

एक दिन चिड़िया बोली, "आओ कौए भाई आज खिचड़ी बनाएँ।" कौआ बोला, "ठीक है।" चिड़िया ने बोला, "तुम दाल के दाने लाओ मैं चावल के दाने ले आती हूँ।"

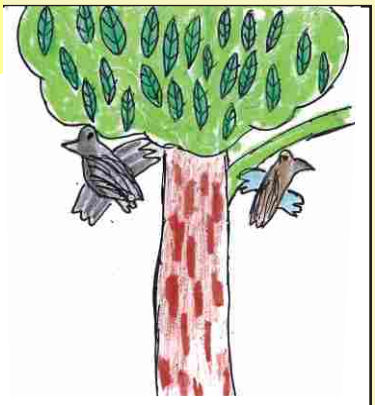

फिर कौआ एक तरफ उड़ जाता है और चिड़िया दूसरी तरफ उड़ जाती है।

कुछ देर बाद दोनों दाल के दाने और चावल के दाने ले आते हैं।

दोनों आग जलाकर हण्डिया में खिचड़ी बनाने के लिए दाल-चावल डाल देते हैं।

उस पेड़ के नीचे बिल में एक चूहा रहता था। चूहा बोला, "मैं भी दावत में आ जाऊँ?" कौआ और चिड़िया एक साथ बोलते हैं, "हाँ, चूहे भाई आ जाओ, आ जाओ।"

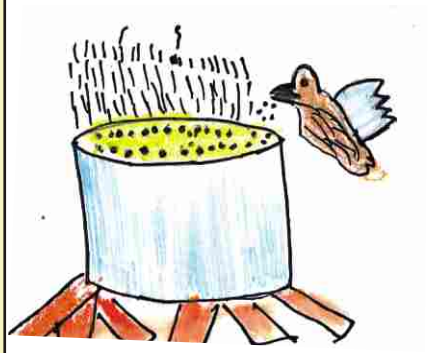

चूहे के बिल में नमक और घी रखा था। चिड़िया बोलती है, "घी और नमक से खिचड़ी में स्वाद आ जाएगा।"

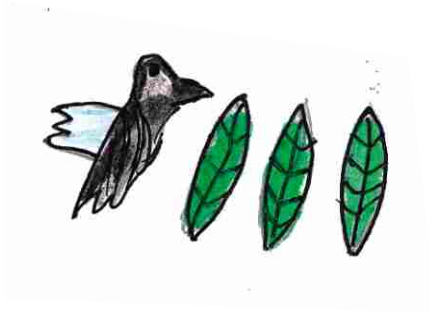

खिचड़ी पक गई और कौए ने तीन पत्ते बिछाए।

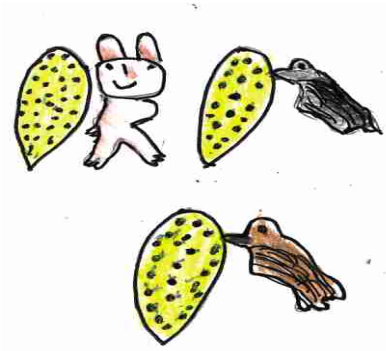

चिड़िया ने खाना परोसा और तीनों ने बड़े मज़े से खाया।

– सोनम और मुशेब, छठी, दीपालय स्कूल, नई दिल्ली (एफआईसीए प्रोजेक्ट)